(26)

Fwd: Government POKHRA used as waste disposal place creating ENVIRONMENTAL Hazards

OA-27/2025/EZ

SR Sh. RAJA CHATTERJEE Registrar <registrarngt-kolkata@gov.in>
Wed, 11 Dec 2024 12:32:36 PM +0530

To "National Green Tribunal, Eastern Zone Bench, Kolkata" <ngtjudicial-kolkata@gov.in>

========== Forwarded message ==========
From: <ramkumar.sam2k@gmail.com>
To: "Sh. RAJA CHATTERJEE Registrar"<registrarngt-kolkata@gov.in>
Date: Wed, 11 Dec 2024 11:28:34 +0530
Subject: Government POKHRA used as waste disposal place creating ENVIRONMENTAL Hazards
========== Forwarded message ==========

Dear Sir,
It is to inform that after repeated written requests upto Secretary level of Government & District Magistrate no action seen at Site.
Please find attached Newspaper Dainik Bhaskar Cutting dated 10.12.2024 and Newspaper Hindustan Cutting dated 30.08.2024 regarding illegal construction and encroachment of Govt Pokhara / used as waste disposal place creating ENVIRONMENTAL Hazards and further request for development under JAL JEEVAN HARIYALI scheme.
This is for information and further direction to the State Govt of Bihar please.

With Regards
Ram Kumar

2 Attachment(s) · Download as Zip · Add To ›

Dainik Bhaskar 2024-12-10.jpeg
111.3 KB

Dainik Hindustan 2024-8-30.jpeg
441.5 KB

समस्तीपुर भास्कर

मुजफ्फरपुर, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024 रोसड़ा • हसनपुर • ताजपुर दलसिंहसराय • शाहपुर पटोरी

मौसम

तापमान

दिन 24.0° अधिकतम | रात 11.0° न्यूनतम

10 दिसंबर के आसपास आसमान में हल्के से मध्यम बादल छा सकते है।

शहर में आज

आर्ट/ कल्चर / रंगमंच

राजयोग मेडिटेशन शिविर

कहां : ब्रह्माकुमारीज, समस्तीपुर, प्रातः 7.30 से

लोकल सोना चांदी भाव

सोना		चांदी
24 कैरेट	22 कैरेट	प्रति किलो
79200	72890	95200
(+582)	(+490)	(+1700)

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी रहित)

न्यूज ब्रीफ

डीआरडीए के डायरेक्टर ने कल्याणपुर प्रखंड में योजनाओं का लिया जायजा

कल्याणपुर | प्रखंड मुख्यालय में डीआरडीए के डायरेक्टर ने सोमवार को दौरा कर मुख्यमंत्री आवास योजना के बारे में विस्तृत जानकारी ली। मौके पर कई निर्देश दिए जिसमें हर हाल में प्रथम किस्त दिए जाने वाले सभी लाभुकों को तत्काल द्वितीय व तृतीय किस्त का भुगतान कर अविलंब पूर्ण करने का आदेश दिया। इसमें कोताही बरतने वाले आवास सहायकों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। मौके पर बीडीओ देवेंद्र कुमार सहित प्रखंड के कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लापरवाही • जलजीवन हरियाली के तहत चयनित सरकारी पोखर को उद्धारक की तलाश

काशीपुर पोखर के सौंदर्यीकरण पर अतिक्रमण का ग्रहण, मापी से आगे नहीं बढ़ सकी कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर | समस्तीपुर

शहर के काशीपुर मोहल्ला के पॉश इलाके में स्थित वार्ड 32 में सरकारी पोखर को वर्षों से किसी उद्धारक की तलाश है। चारों ओर से अतिक्रमण से घिरे गए बड़े-बड़े भवनों से कराहते हुए इस पोखर को अबतक मुक्ति नहीं दिलाई जा सकी है। ऐसा भी नहीं है कि इसके मुक्ति के लिए प्रयास नहीं हुए प्रयास भी हुए। लेकिन अतिक्रमणकारी भारी पड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह पोखर जब जलजीवन हरियाली के तहत चयन किया गया तो 2019 में तत्कालीन सीओ ने मापी भी करवाई परंतु अबतक उसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। हद तो यह है कि इस तालाब के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण के लिए जल जीवन हरियाली मिशन में भी इसका चयन किया गया। बावजूद इसके अबतक इसे अतिक्रमण मुक्त कराकर योजना लागू नहीं किया जा सका। इसकी उपयोगिता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कभी यहां के लोगों की जरूरत यही पोखर पूरी किया करता था। पर कालांतर में लोगों ने इसे अपने कूड़े-कचरे से भरना भी शुरू कर दिया। परिणामतः इस तालाब का कई हिस्सा भर गया। अतिक्रमणकारियों ने रही-सही कसर पूरी कर दी। अब तो बस कुछ भाग ही बचा हुआ है। नतीजतन परंपरागत जल स्रोत के अस्तित्व का रक्षा एक गंभीर चुनौती बन गयी है। शहर के काशीपुर मोहल्ला स्थित वार्ड 32 में इकलौता पुराना यह सरकारी पोखर है। यहां अतिक्रमणकारी कब्जा कर मार्केट व दुकान बनाकर बकायदा किराया वसूल रहे हैं।

उठ रहे सवाल : अतिक्रमणकारियों के प्रभाव से ठंडे बस्ते में योजना

अतिक्रमण का की चपेट में काशीपुर पोखर।

अतिक्रमण कर लोगों ने बना ली अट्टालिका

पोखर की जो वर्तमान में महत्ता है वह बताता है कि इसका रकबा काफी अधिक था जो अब महज चंद कट्ठा में सिमट गया है। तालाब के दक्षिणी भाग में जाने वाली पीसीसी सड़क है तो शेष तीनों भाग में अट्टालिका बहुमंजिला इमारत है। शहर के इस इकलौते सरकारी पोखर कचरा डालकर भरा जा रहा है और उस पर कब्जा की साजिश जारी है। परंतु इस दिशा में जिला प्रशासन व नगर निगम की नजरें नहीं जा रही है।

नाले का पानी व मल भी बहाया जाता है पोखर में

काशीपुर स्थित सरकारी पोखर की बदतर स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि, पोखर के आस-पास के परिक्षेत्र में बसे लोग नाले का पानी तो इसमें बहाते ही है। साथ ही मल-मूत्र भी प्रवाहित करने से परहेज नहीं करते। पोखर के किनारे से होकर गुजरते हुए लोग भी पोखर को गंदगी करने से परहेज नहीं करते। स्थिति यह है कि पर्यावरण को भी काफी स्थिति अतिक्रमणकारियों ने खराब कर रखा है।

वर्ष 2019 में अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई के लिए शुरू हुई थी पहल

काशीपुर में पोखर की जमीन की मापी कर अतिक्रमण हटाने पर प्रयास हुआ था। इसका चयन जल जीवन हरियाली के तहत होते ही अतिक्रमणकारियों के बीच खलबली मच गई। कुछ लोग सिर्फ बचे हुए पोखर की ही पैमाइश कराने में जुटे थे। पोखर के भिंडा की मापी कराने से लोग कतरा रहे थे। बाद में सीओ के निर्देश पर पोखर सहित भिंडा की भी मापी कराई गई। इसमें अमीन व कर्मियों को स्थानीय पुलिस प्रशासन की भी मदद लेनी पड़ी। जानकारी के अनुसार इस सरकारी पोखर की जमीन सहित भिंडा के हिस्से पर बहुत लोगों ने अतिक्रमण कर पक्का मकान व अन्य संरचनाओं का निर्माण कर रखा है। मापी के बाद अमीनों द्वारा इसकी रिपोर्ट संबंधित पदाधिकारी के पास सौंपी भी गई।

▪ *निगम क्षेत्र में अवस्थित सभी तालाबों के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव मॉडल एस्टीमेट के साथ नगर आवास विभाग को भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही कार्य आरंभ कर दिया जाएगा।*
- केडी प्रज्ज्वल, नगर आयुक्त, समस्तीपुर

▪ *इस सरकारी पोखर के जीर्णोद्धार के लिए जो भी उचित कार्रवाई होगी की जाएगी। विभाग में इसके लिए कार्रवाई के लिए कहा गया है।*
-अनिता राम, मेयर, नगर निगम, समस्तीपुर

लापरवाही | काफी गंदगी के कारण मुहल्ले के लोग हैं परेशान, कूड़े के ढेर पर आवारा जानवर करते रहते हैं विचरण, कई लोगों ने कर लिया अतिक्रमण

सरकारी तालाब को लोगों ने बनाया कचरा फेंकने का अड्डा

नगर निगम

- इस तालाब का जल जीवन हरियाली योजना से नहीं हुआ जीर्णोद्धार
- पूरा तालाब चारों तरफ से लोगों ने कर रखा है अतिक्रमण

समस्तीपुर, निज संवाददाता। शहर के काशीपुर दुर्गा पैलेस के पीछे सरकारी तालाब नगर निगम से देखरेख नहीं होने की वजह से पूरी तरह डेड होने के साथ ही कूड़ा डंपिंग स्थल में तब्दील है। जहां सुबरों व लावारिश जानवरों का बसेरा बना रहता है। हैरानी की बात है कि शहर में जल जीवन हरियाली योजना चली लेकिन यह योजना इस तालाब को छू नहीं सकी।

योजना बनी थी कि इस तालाब का जीर्णोद्धार कर इसे जनोपयोगी बनाया जाएगा। इसके लिए प्लान बनी कि पहले तालाब को अतिक्रमणमुक्त कराया जाय। पूर्व के डीएम की पहल पर समस्तीपुर के सीओ ने तालाब की नापी करायी तो पता चला कि कई लोगों के घरों में तालाब की जमीन घुसी हुई है। फिर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी की गई।

नोटिस के बाद बहुत दिनों तक हड़कंप मचा रहा लेकिन इसी बीच सीओ से लेकर जिला प्रशासन तक एक राजनेता का पैरवी पड़ने से आगे का सारा प्लान ही बैठ गया। प्लान पूरी तरह सुस्त पड़ गया। आज तक पुरानी स्थिति ही कायम है। हाल में कई सजग व प्रबुद्ध लोगों ने तालाब की इस दुर्दशा के खिलाफ लगातार आवाज भी उठायी, लेकिन उनकी आवाज दबंग अतिक्रमण कारियों व पैरवीकारों के सामने टिक नहीं पायी।

काशीपुर दुर्गा पैलेस के पीछे तालाब की जमीन पर बनाया मकान और कचरा।

> तालाब का सौंदर्यीकरण नगर निगम की प्राथमिकता सूची में है। पहले तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा फिर जल जीवन हरिणाली योजना से कार्य होगा। मेरा इस तालाब पर ध्यान है। इसकी दुर्दशा देख कर मैं भी हैरान हूं। नगर निगम से पहले जब नगर परिषद था तो उस समय लोगों ने ध्यान नहीं दिया। समस्या उसी समय से है।
>
> -अनिता राम, मेयर, नगर निगम, समस्तीपुर।

एक ओर अतिक्रमण तो दूसरी ओर कूड़ा का बड़ा अम्बार। अतिक्रमण होने के कारण तालाब सिकुड़कर बहुत छोटा हो गया है। तालाब के आसपास बसे लोग कई सालों से अपने घरों का कूड़ा इसी तालाब में डालते हैं। इसके अलावा घरों का गंदा पानी भी तालाब में ही बहाते हैं। कुछ लोग तो अभी तक तालाब की जमीन में मकान व कार्यालय तक बनाना जारी रखे हुए हैं। हालत यह है कि कूड़ा व गंदे पानी के लगातार जमाव से निकलती सड़ांध से लोग परेशान हैं। पूरा मुहल्ला प्रदूषित है।